

1. युवमग्नें च वृषणावपश्च वनस्पतिरिश्वनावर्ययाम् RV. 1, 137, 5. मनीषां नृणां न परमीरय नदीनाम् 8, 83, 11. सोमो घृतधूमिर्महिमानमीरयन् *entfaltend* 10, 63, 2. स्तेनं ये चैवमैरयन् *zu Stande brachten* AV. 6, 47, 3. — यथा दारुमयी योषा — ईर्यत्यङ्गमङ्गानि MBh. 3, 1140. वाच्यीरिताभिः — गङ्गाभिः 13, 1839. वाषो मत्सुतेरितः 3, 709. R. 4, 9, 32. यक्षणे-वेरितः शरः VId. 24. ऐरिरच्च महाहुमम् BHATT. 13, 52. मेघा वातेरिता इव R. 3, 23, 25. अहरेरितेनपः AK. 3, 4, 17. स्नेहवीर्येयितम् (कापम्) Suçr. 2, 348, 11. रामाभिरमिरितचित्तोपायः (प्रदायः) R. 5, 11, 8. ईर्यमाणो (*angetriebenen*) मात्रा BHATT. 12, G. ईरित *geworfen* AK. 3, 2, 37. H. 1482. ertönen lassen, (die Stimme); aussprechen, verkünden, anführen: वाचं ईरयेत् RV. 9, 62, 26. 97, 34. अथ वाचमोरयति तामु नामोरयति KĀND. Up. 7, 4, 1. R. 3, 73, 5. मानुषीमीरयान्गरम् MBh. 1, 4565. M. 11, 35. R. 2, 96, 17. सरस्वती-मीरय देवतुष्टाम् MBh. 3, 10628. रयंतरं साम ईरयति 13, 986. वाक्यं च म-येर्यमाणम् 3, 10623. ईर्यमाणेन सततं ब्रह्मघोषेण 695. (वाक्यम्) दमयत्या यवे-रितम् 2743. साधु साधिति — विस्तिरैरितः शब्दः 2220. Ragh. 9, 8. नि-वेध चैनां गिरमीरिता मया SĀV. 3, 33. कितं न गृह्णति सुहृद्गिरितम् R. 3, 43, 22. 5, 88, 25. के गुणाः सद्गिरिताः MBh. 14, 941. R. 1, 26, 23. Suçr. 2, 146, 6. 361, 5. 404, 5. उशनसेरितम् (पुराणम्) MADHUS. in Ind. St. 1, 18, 15. — 2) erheben, in die Höhe bringen: सूर्यमैरयतं द्विवि RV. 7, 82, 3. यो कृच्यान्यैरयता मनीर्कृतो देव आसा सुगन्धिना 8, 19, 24. कृच्यान्यैर-यद्विवि 63, 3. यमैर्यङ्गन्धमसि VS. 1, 28. या देवेषु तन्वर्नैरयत् RV. 10, 169, 3. कृच्यैरभिर्ननुप ईर्यद्यै 4, 2, 1. स्वायां यत्नुवा तन्मैरयत् TS. 1, 7, 12, 2. ÇAT. Br. 14, 7, 2, 6. — 3) sich erheben: यत्र द्या अमृतमानशानाः सं-माने योनावद्यैरयत् AV. 2, 1, 5. VS. 32, 10. — Vgl. das nahe verwandte अर-

— आ caus. act. und med. im praes. und imperf. (über ऐरिरे s. oben)

1) herbeischaffen, verschaffen: आमासु पक्वमैरयः RV. 8, 78, 7. अस्मे रयि-मैरयधम् 4, 34, 2. 7, 5, 8. (ऐरिरे 3, 11, 9. 6, 3, 2) 7, 94, 4. पृष्ठेधैरया रयिम 9, 102, 3. VS. 14, 8. जाम्यै धुर्य पतिमैरयेयाम् AV. 5, 1, 4, 3. शरैरे मांसमसुमे-रयामः 29, 5. 6, 61, 1. तो प्र्यं क्वितंममैरयस्व RV. 10, 83, 37. (ऐरिरे 1, 143, 4. 6, 4) sich verschaffen: सौधन्वनासो अमृतवर्मोरेरे 3, 6, 3. — 2) er-
heben (einen Gesang u. s. w.): व्युन्नवद्रवो कुशिकाम् ऐरिरे RV. 3, 29, 15. ब्रह्मणे गातुमैरय 10, 122, 2.

— न्या s. u. नि.

— उद् 1) sich erheben, aufstehen, aufbrechen (um zu gehen oder zu kommen): उदीराग्रामतायते युज्राग्रामश्चिना रयम् RV. 8, 62, 1. उदीरताम-वर् उत्परासः 10, 13, 1. उदीर्ध नार्यभि त्रीवलोकां 18, 8. उदीर्घातः hebe dich weg von hier 83, 21. उदीरणा उतासीनाः AV. 12, 1, 28. RV. 1, 1413, 16. 8, 7, 7. 17. 4, 39, 5. ÇAT. Br. 13, 3, 4, 16. 17. — 2) sich erheben d. i. in Bewegung kommen, aufsteigen, erstehen (von Kräften, Vorstellungen, Tönen u. s. w.): उदीरता सूनता उत्पुंरधीः RV. 1, 123, 6. उच्छुष्मा ओष-धीनां गवो गोष्ठार्दिवेते die Däfte der Pflanzen steigen auf 10, 97, 8. 2, 17, 1. 9, 50, 1. वदन्ता उदीरते 5, 23, 7. 4, 43, 2. सिंक्ष्य स्तनया उदीरते 5, 83, 3. वाचः 9, 33, 4. 50, 2. 8, 3, 15. उडु ब्रह्माणैरित 7, 23, 1. उद्व्यं ई-रते 8, 44, 4. 17. यडुदीरत आत्रयः wenn Wettkämpfe sich erheben 1, 84, 3. उदीरते als 3. sg.: पोड्य च सेन्या वधो ऽघातान्मदीरते AV. 1, 20, 2. 6, 99, 2. — 3) partic. उदीर्ण (in der klassischen Sprache nur diese Form vom simpl. zu belegen) erregt, gesteigert, zum Ausbruch gekommen Nir. 3, 20. मारुतः ÇIKSĪ 9. ब्रह्म तन्नेण संसृष्टं तन्नं च ब्रह्मणा सह । उदीर्णो द-

कृतः शत्रून्वनानांवाग्रमारुतो ॥ MBh. 3, 973. भवन्नध्यवरोदीर्णः (महामुरः)

KUMĀRAS. 2, 32. Suçr. 1, 127, 21. 2, 332, 15. °वेग 377, 9. R. 4, 31, 4. 5, 60, 16. नित्यमुदीर्णसत्त्वे (नरे) MBh. 13, 512. °रामवन्ति DAÇAK. in BENF. Chr. 182, 16. hoch, erhaben: न हि राशामुदीर्णानामेवभूतेनैरैः वाचित् । सद्यं भवति — श्रिया हीनैर्यनच्युते ॥ MBh. 1, 5138. रत्नसाम् R. 3, 28, 21. = उदार H. 367. Davon nom. abstr. उदीर्णता f. Erregtheit, Regsamkeit, Behendigkeit Suçr. 1, 333, 9. — caus. bewirken, dass sich Etwas erhebt, in Be-
wegung kommt; in die Höhe werfen, schleudern; hervorstechen, hervor-
drängen; aufstreben, aufregen; erheben (die Stimme); aussprechen; her-
vorrufen: रेणं गृह्णा क्तिमुदीरयतम् herausbringen RV. 10, 39, 2. 1, 112, 5. वज्रमस्त्रमुदीरय MBh. 3, 12173. fg. 4, 1870. सो ऽन्यदस्त्रमुदीरयत् R. 6, 80, 6. कश्चित्करणे — उदीरयामास सलीलमन्तान् Ragh. 6, 18. महानाप्ति-
विपः प्राकारन्ध्रेणोदीरयच्छिरः DAÇAK. 121, 14. कुसुमम् — यदशोका ऽय-
मुदीरयिष्यति Ragh. 8, 61. उदीरय कवितमं कवानीम् RV. 5, 42, 3. 10, 11, 6. उदीरतायुमीरयत् 8, 68, 6. ज्ञानको शोकसंतता कृताशनमुदीरयत् R. 5, 49, 19. जीवमुदीरयत्युषाः RV. 1, 113, 8. 117, 24. उत्पुंरधीरयतम् 10, 39, 2. 8, 7, 3. उदीरय प्रति मा सूनताः 1, 48, 2. उद्वाचमोरयति 9, 72, 1. 1, 168, 8. 8, 90, 16. एते वाचमुदीरयन् R. 2, 37, 3. नालोकां ताम् (वाचम्) उ-
दीरयेत् M. 2, 161. R. 5, 27, 35. सर्वं मन्त्रमुदीरयन् JĀḌS. 1, 136. ब्रह्मघोषम् R. 3, 32, 20. उदीरयामासः — आलोकशब्दम् Ragh. 2, 9. उदीरयत् (sic) KATHĀS. 7, 10. 16, 117. इत्युदीर्य so sprechend Vet. 33, 8. उदीरयथा मरुतः समुद्रतो यूयं वृष्टिम् RV. 5, 53, 5. TS. 2, 4, 10, 2. व्याधिमुदीरयेत् Suçr. 1, 128, 1. ति-
सृमिस्त्वमवस्थाभिर्महिमानमुदीरयन् an den Tag legend KUMĀRAS. 2, 6. Als Aorist-Formen hierzu scheinen die folgenden betrachtet werden zu müssen: यस्ते भराद्विपते चिदन्नं निशिष्यन्मन्त्रमतिथिमुदीरत् sich erheben macht d. i. herbeiruft RV. 4, 2, 7. उद्वन्दनमैरतं दंसनाभिः brachtet heraus (vgl. oben das erste Beisp.) 1, 118, 6. — pass.: उदीर्यमाणमस्त्रम् geschleudert R. 1, 33, 22. erregt werden, zum Ausbruch gebracht werden, aufgeregt werden: खैरुदीरितो रेणुः R. 2, 93, 14. तेन पित्तमुदीर्यते Suçr. 1, 152, 15. 2, 312, 17. उदीर्यमाणा कृपेण धात्री परमया मुद्रा R. 2, 7, 9. अष्टावक्रं चा-
प्युदीर्यतमेव MBh. 13, 10671. उदीरितेन्द्रिय KUMĀRAS. 4, 41. उदीरितधी von aufgewecktem Verstande PRAB. 14, 14. ertönen, ausgesprochen —, angegeben —, aufgezählt werden: ततो गणैः — उदीरितो मङ्गलतूर्यघोषः KUMĀRAS. 7, 40. वाक् VId. 143. उदीरितो ऽर्धः पशुनापि गृह्यते PAŚKĀT. I, 49. भुमे — एष वाद्यलिङ्ग उदीर्यते wird als adj. angegeben, gilt für ein adj. TRĪK. 3, 3, 119. अघ्यायानां शतं विंशमेवमेतदुदीरितम् Suçr. 1, 10, 14. 2, 8, 19. 9, 8.

— अ-युद् caus. erheben, ertönen lassen (die Stimme); aufregen, rei-
zen: आस्तीकस्तिष्ठ तिष्ठेति वाचस्तिष्ठो ऽभ्युदीरयन् MBh. 1, 2170. तत-
स्तेनैव वेगेन पित्तमस्याभ्युदीर्यते Suçr. 1, 37, 9.

— समुद् partic. समुदीर्ण in Bewegung gekommen, in Aufregung ge-
rathen: सर्वतः समुदीर्णस्य तव R. 6, 93, 8. समुदीर्णमानस 4, 43, 69. 5, 42, 6. समुदीर्णा दोषाः Suçr. 2, 190, 21. समुदीर्णवरत्न 1, 261, 2. — caus. in Bewegung versetzen, werfen; aufregen; erheben, ertönen lassen: ब्रह्मास्त्रे समुदीरिते R. 1, 36, 15. 5, 36, 46. पाण्डवो ऽपि कुरुक्षेत्रे वायुना समुदीरिताः MBh. 3, 5073. (°क्षेत्रात्) 7074. मनोगताम् । वाचम् — समुदीरयत् KATHĀS. 24, 41. anregen, aufmerksam machen: संप्रोवाधयत्येवमेतत्समुदीरयति (sic) ÇAT. Br. 2, 2, 3, 21.